आधारभूत संरचनाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय निवेश : संदर्भ एआइआइबी

झारखंड में वनाधिकार और खेती पर उसका प्रभाव

13 जून 2018, विकास मैत्री, रांची

आधार–पत्र सह आमंत्रण

झारखंड का वर्तमान राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय पूंजी निवेश और उससे जनित विकास मॉडलों और उसके खिलाफ जनप्रतिरोध का एक जीवंत दस्तावेज है. यहां के संसाधन– प्राकृतिक संसाधन से लेकर श्रम संसाधन सभी पर इनकी शोषणमूलक नजर है. वहीं यहां की जनता, खासकर आदिवासी समुदाय के खिलाफ इसके खिलाफ संघर्ष की गौरवशाली परंपरा रही है, जो आज भी जिंदा है.

इसी के साथ विश्वबैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के निवेश को लेकर झारखंडी जनों के पास कटु अनुभव[1] रहे हैं. जंगल और कृषि विकास के मामले में भी इन संस्थाओं के निवेश के कारण झारखंडी जनों के हाथों से निकल कर अंतराष्ट्रीय खिलाड़ियों के हाथों में ये संसाधन जा रहे हैं. आज जिस तरह से झारखंड में भी किसानों की आत्महत्याओं का सिलसिला शुरू हो रहा है, उनमें भी कहीं न कहीं सीधा और परोक्ष हाथ दिखता है. साथ ही आधारभूत संरचनाओं के लिए खेती योग्य जमीन और वनक्षेत्रों का गैरवानिकी उपयोग भी झारखंडी जनों के बड़े हिस्से की पारंपरिक आजीविका से अलग कर उन्हें अधिकारविहीन मजदूरों की जमात में शामिल करेगा.

---

[1] . पूर्वी परेज कोयला उत्खनन परियोजना जो विश्वबैंक द्वारा संपोषित रहा है, वहां पर अगरिया समुदाय की दयनीय स्थिति– अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के निवेश के पूर्वानुमान के लिए बेहतर उदाहरण है. वहां के अगरिया समुदाय ने अपनी शिकायतें विश्व बैंक के समक्ष भी रखी थी. वहां से जांच दल भी गठन हुआ. उस दल ने परेज क्षेत्र का 21 बार दौरा भी किया. लेकिन उनकी स्थिति और दयनीय हो चुकी है. जितनी राशि विश्व बैंक ने जांच दल के गठन और उसके दौरे में खर्च की है, उतनी राशि अगर अगरिया समुदाय के लिए अनुदानित कर देती, तो प्रत्येक परिवार की आर्थिक तौर से सुदृढ़ हो चुकी होती.

2008 में गठित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था– एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट बैंक (एआइआइबी) की वार्षिक महासभा मुंबई में होनेवाली है. यह महासभा भारत के अंदर इसके निवेश के विस्तार देने की दिशा में एक अहम् कदम होगा. इस पर पिछले कई वर्षों से देश के प्रमुख सामाजिक संगठन और बुद्धिजीवियों द्वारा नजर रखा गया है और उनका निष्कर्ष है कि इस बैंक के निवेश का देश के मजदूर–किसान, आदिवासी–दलित, छात्र–नौजवान और महिलाओं पर व्यापक असर पड़ेगा.

एआइआइबी, चीन की सरकार के प्रयास से बहुपक्षीय विकास बैंक है, जो एशिया–पेसिफिक क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं के विकास में सहयोग देने को अपना लक्ष्य निर्धारित किया है. इस बैंक के भारत समेत 86 देश सदस्य हैं. यह बैंक अपने कार्यों करने और संसाधनों को इकट्ठा करने में काफी हड़बड़ी मचा रखी है. भारत के अंदर स्मार्ट सिटी समेत कई परियोजनाएं संचालित हो रही है.

इस बैंक की मुंबई में होने वाली वार्षिक महासभा के लिए यहां पर अपने निवेश को विस्तार देने की हर अवसर को तलाशने का मौका होगा. साथ ही जनता के लिए उस पर लादे जाने वाले जटिलतम शोषण प्रक्रिया तैयार होने की आशंकाएं हैं.

ऐसे में इस वार्षिक महासभा पर 21–23 जून 2018 देश की ओर से जन प्रतिक्रिया दी जायेगी. इसी के तहत पूरे देश के अंदर शृंखलाबद्ध बैठकें/संगोष्ठियां/परिचर्चाएं क्षेत्रीय स्तर पर सामाजिक संगठनों और संघर्षरत समूहों पर आयोजन करने का फैसला मुंबई में आयोजित एकदिवसीय बैठक में लिया गया. यह बैठक 3 अप्रैल 2018 को मुंबई में हुई थीं. क्षेत्रीय स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों के जरिये एआइआइबी जो काफी हड़बड़ी में विश्व बैंक के बराबर पहुंचने का लक्ष्य रखा है, उससे उपजी कार्य–नीति, कैंपेन और अपारदर्शिता को केंद्रित करते हुए एक जनपक्षीय कैंपेन के तहत भारत में उसकी जवाबदेह और पारदर्शी उपस्थिति को सुनिश्चित करना. साथ ही देश की सरकार और उसकी मातृसंस्था व अन्य संगठनों द्वारा सृजित राष्ट्रभक्ति और देशभक्ति पर झूठे बहस की असलियत को एआइआइबी की हस्तक्षेपकारी उपस्थिति के जरिये बताना. इसके

अलावा आधारभूत संरचना को विकास के लक्ष्य और साध्य के प्रचार–प्रसार पर जनपक्षीय सोच को सामने लाना.

झारखंड के कई सामाजिक संगठनों की ओर से एक परिचर्चा आयोजित है. यह परिचर्चा झारखंडी जनों के लिए एक अवसर होगा– जहां वे अपने दुखों और कठिनाइयों के अप्रत्यक्ष, मगर मजबूत हाथ को तलाश सकते हैं. खोज सकते हैं, उन कारणों को जो आदिवासी–दलित और अन्य उत्पीड़ित समुदायों के संवैधानिक अधिकारों और भारतीय सरकार की अंतराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं से मुंह मोड़ने की पृष्ठभूमि तैयार कर रहे हैं.

यह परिचर्चा 10.30 बजे पूर्वाहन से विकास मैत्री, पुरूलिया रोड, रांची में होगी, जिसमें आप अपने साथियों के साथ सादर आमंत्रित हैं. हमें आशा है कि आपकी उपस्थिति से परिचर्चा समृद्ध होगी.

सधन्यवाद!

संपर्क सूत्र :

पुनित राजकिशोर मिंज	उमेश नजीर	वसंत हेतमसरिया
9661882006	8271375646	9934443337